क्लस्टर विकास कार्यक्रम (Cluster Deveopment program)

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान जयपुर द्वारा राजस्थान क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत जिला उद्योग केन्द्र जयपुर ग्रामीण के तहत जयपुर जिले के जमवारामगढ़ ब्लाक के ग्राम नायला में आरी–तारी क्लस्टर विकास कार्यक्रम का संचालन किया गया।

जन सहभागिता आधारित इस कार्यक्रम में नायला एवं आस–पास के दस्तकारों को क्लस्टर विकास कार्यक्रम से जोड़ा गया। उन्हें 37 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित किया गया। इन स्वयं सहायता समूहों बड़ी संख्या महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की थी। ग्रामीण महिलाओं को कौशल उन्नयन एवं तकनीकी विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिससे महिलायें आत्मनिर्भर बन पायी तथा महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो पायी।

क्लस्टर विकास कार्यक्रम की गतिविधियों में इन प्रशिक्षणों के अलावा मेले प्रदर्शनियों में सहभागिता महत्वपूर्ण पक्ष था। जिसमें कार्य करने से नायला के दस्तकारों को एक नयी पहचान मिली तथा दस्तकारों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, राज्य एवं राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में ले जाया गया। इन मेले प्रदर्शनियों में दस्तकारों के भाग लेने से दस्तकारों में आत्म विश्वास कायम हुआ और उत्पादों की बिक्री तथा विक्रय संवर्द्धन में वृद्धि हुई।

क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत मोटिवेशन सेमीनार को सम्बोधित करते संस्थान अध्यक्ष अमृत सिंह भाटी

क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों की सामूहिक बैठक का एक दृश्य

क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करते दस्तकार

बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित फोरहैक्स फेयर में दस्तकारों द्वारा निर्मित उत्पादों पर चर्चा करते उद्योग मंत्री राजेन्द्र पारीक

क्लस्टर विकास कार्यक्रम–बालाहैड़ी (दौसा)

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान जयपुर द्वारा राजस्थान क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत जिला उद्योग केन्द्र दौसा के तहत दौसा जिले के महुवा ब्लाक के ग्राम बालाहैड़ी में पीतल के बर्तन पर नक्काशी क्लस्टर विकास कार्यक्रम का संचालन किया गया।

जन सहभागिता आधारित इस कार्यक्रम में बालाहैड़ी के दस्तकारों को क्लस्टर विकास कार्यक्रम से जोड़ा गया। उन्हें 10 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित किया गया। इन स्वयं सहायता समूहों बड़ी संख्या महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की थी। ग्रामीण महिलाओं को कौशल उन्नयन एवं तकनीकी विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिससे महिलायें आत्मनिर्भर बन पायी तथा महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो पायी।

क्लस्टर विकास कार्यक्रम की गतिविधियों में इन प्रशिक्षणों के अलावा मेले प्रदर्शनियों में सहभागिता महत्वपूर्ण पक्ष था। जिसमें कार्य करने से बालाहैड़ी के पीतल के बर्तनों पर नक्काशी करने वाले दस्तकारों को एक नयी पहचान मिली तथा दस्तकारों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, राज्य एवं राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में ले जाया गया। इन मेले प्रदर्शनियों में दस्तकारों के भाग लेने से दस्तकारों में आत्म विश्वास कायम हुआ और उत्पादों की बिक्री तथा विक्रय संवर्द्धन में वृद्धि हुई। इसके अलावा दस्तकारों को राज्य के बाहर अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, मुरादाबाद तथा रामनगर शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया। ग्राम में बाजार नीतियो एवं पैकेजिंग कला वर्कशाप तथा निर्यात एवं दस्तावेज प्रक्रिया पर कार्यशाला के साथ क्रेता–विक्रेता सम्मेलनों का आयोजन राज्य से बाहर बड़े शहर नागपुर, बरेली, चण्डीगढ़ तथा देहरादून में किया गया।

स्वयं सहायता समूह की बैठक का एक दृश्य

पीतल के उत्पादों पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए दस्तकार